भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय विमानन क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए भाविप्रा ने दिल्ली अनुसंधान कार्यान्वयन एवं नवाचार (डीआरआईआईवी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली,24 अक्तूबर, **2024** : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और डीआरआईआईवी (दिल्ली अनुसंधान कार्यान्वयन और नवाचार) ने आज राजीव गांधी भवन में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो भारतीय विमानन क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने, प्रचालन सुरक्षा को बढ़ाने और सतत् विकास का समर्थन करने के उद्देश्य से एक अभूतपूर्व सहयोग को दर्शाता है।

इस समझौता ज्ञापन पर सुश्री श्यामली हलधर, कार्यपालक निदेशक (एटीएम), भाविप्रा और सुश्री शिप्रा मिश्रा, सीईओ और एमडी, डीआरआईआईवी द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस कार्यक्रम में एक सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए साझा प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया जो स्टार्ट-अप का समर्थन करता है और विमानन उद्योग के अनुरूप तकनीकी समाधानों के विकास को गति देता है। यह साझेदारी दक्षता, सुरक्षा और पर्यावरण की दृष्टि से संधारणीय प्रथाओं को बढ़ावा देकर भारत के विमानन परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर भाविप्रा के अध्यक्ष श्री एम. सुरेश ने कहा, "डीआरआईआईवी के साथ यह साझेदारी हमारे लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर, हम न केवल विमानन प्रचालन की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित कर रहे हैं, बल्कि उद्योग की संधारणीयता में भी योगदान दे रहे हैं।"

सुश्री शिप्रा मिश्रा, डीआरआईआईवी के सीईओ और एमडी ने कहा, "हम भाविप्रा के साथ सहयोग करने और स्टार्ट-अप और शोध समुदायों से अभिनव समाधान लाने के लिए उत्साहित हैं। यह समझौता ज्ञापन भावी तैयारी, प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों का मार्ग प्रशस्त करेगा जिसका भारत में विमानन पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा।"

भाविप्रा-डीआरआईआईवी समझौते के अंतर्गत प्रमुख पहल

1. नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का सृजन: भाविप्रा के समर्थन से, डीआरआईआईवी एएआई द्वारा चिन्हित विशिष्ट चुनौतियों से निपटने के लिए स्टार्ट-अप को शामिल करके एक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के विकास का नेतृत्व करेगा, जिसमें सुरक्षा, दक्षता और संधारणीयता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

2. उदीयमान प्रौद्योगिकियों के लिए समर्थन: एएआई द्वारा उत्पाद विकास के लिए विशेषज्ञता और प्रासंगिक डेटा की सहायता के साथ, डीआरआईआईवी नागर विमानन की प्रमुख चुनौतियों के समाधान के लिए गुणवत्ता वाले स्टार्ट-अप को चिन्हित करेगा और उनके साथ सहयोग करेगा।

3. अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा: डीआरआईआईवी, सीएआरओ (नागर विमानन अनुसंधान संगठन) को एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में आगे बढ़ाएगा, तथा भारत के विकास लक्ष्यों के अनुरूप विमानन प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान एजेंसियों के साथ सहयोग करेगा।

4. नवाचार चुनौती: एएआई और डीआरआईआईवी सीएआरओ में नवाचार चुनौतियों का आयोजन करेंगे, जिसमें विमानन क्षेत्र के लिए अभिनव समाधान प्रस्तुत करने के लिए स्टार्ट-अप, शोधकर्ताओं और तकनीकी विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा।

चूंकि भारतीय विमानन उद्योग निरंतर विकसित हो रहा है, इसलिए यह कार्यनीतिक साझेदारी एक सुरक्षित, अधिक दक्ष और संधारणीय भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी, तथा भारत को विमानन नवाचार में अग्रणी के रूप में स्थापित करेगी।

निगमित संचार निदेशालय द्वारा जारी
विस्तृत जानकारी के लिए कृपया महाप्रबंधक (सीसी) से संपर्क करें: 011-20818228
प्रेस विज्ञप्ति संख्या 17/2024-25